खबर संक्षेप

स्थल आरक्षित कर गौशाला का कराएं निर्माणः विधायक

शहडोल। ब्यौहारी विधायक शरद कोल ने जनपद पंचायत जयसिंहनगर के अंतर्गत गौशाला निर्माण कार्य के लिए ग्राम मोहनी, कुबरा एवं चंदेला का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियो को निर्देश दिए कि भूमि आरक्षित कर गौशाला निर्माण कार्य प्रारंभ किये जाए। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित गौशाला में 3000 से 5000 गौवंशों के लिए सुरक्षित आवास, चरनोई, तालाब तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाएंगी, इससे निराश्रित गौवंश को सुरक्षित आश्रय प्रदान किया जा सकेगा और किसानों की फसलों को भी निराश्रित पशुओं से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती प्रगति वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्रीमती शिवानी जैन, एसडीओ अशोक मरावी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

जनभागीदारी अभियान की समीक्षा बैठक आज

शहडोल। एसडीएम सोहागपुर अरविंद शाह ने बताया है कि धरती आबा जनभागीदारी अभियान अंतर्गत जनजातीय वर्ग के हितग्राहियों को लाभान्वित की जा रही योजनाओं संबंधी समीक्षा बैठक 17 जुलाई 2025 को प्रातः 11 बजे से तहसील कार्यालय सोहागपुर के सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में सीईओ जनपद पंचायत, खण्ड शिक्षा अधिकारी, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, म.प्र. जन अभियान परिषद तथा ब्लाक परियोजना प्रबंधन, एनआरएलम तथा जन पंचायत सोहागपुर के पंचायत सचिवों को उपस्थित रहने के लिए कहा गया है।

सीमा लांघकर कार्रवाई करने पहुंचे दो नवागत पुलिस कर्मियों को विरोध का सामना

धनपुरी। थाना अंतर्गत दो नवागत पुलिसकर्मी उस समय विवादों में घिर गए जब वे चोरी के एक संदेही युवक को पकडऩे अमलाई थाना क्षेत्र स्थित रेलवे कॉलोनी पहुंच गए। अपनी थाना सीमा से बाहर कार्रवाई करने पहुंचे इन पुलिसकर्मियों को स्थानीय लोगों और युवक के परिजनों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। सूत्रों के अनुसार, धनपुरी थाने में हाल ही में पदस्थ हुए दो पुलिसकर्मी चोरी के एक संदेही युवक की तलाश में बिना अमलाई थाना पुलिस को सूचना दिए रेलवे कॉलोनी पहुंचे। वहां एक युवक को पकडक़र थाने लाने का प्रयास किया गया। इसी दौरान मोहल्ले के लोगों और युवक के परिजनों ने उन्हें घेर लिया और कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए तीखी बहस शुरू कर दी। मौके पर माहौल कुछ देर के लिए तनावपूर्ण हो गया। लोगों का कहना था कि दूसरे थाना क्षेत्र में इस तरह घुसकर कार्रवाई करना गलत है और इसके लिए संबंधित थाने की पुलिस को साथ लिया जाना चाहिए था। हालांकि, किसी बड़ी घटना की आशंका को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने संदेही युवक को समझाइश देते हुए धनपुरी थाना लाया। वहां युवक से पूछताछ की गई और थाने के पीछे एक कमरे में बैठाकर समझाइश देकर उसे छोड़ दिया गया।

न तय वेतन, न योग्यता अनुसार स्टाफ, घंटों काम करवा रहा अस्पताल प्रबंधन

शहडोल के आदित्य निजी अस्पताल में कर्मचारियों का शोषण!

शहडोल। संभागीय मुख्यालय में निजी चिकित्सा संस्थान 'आदित्य अस्पताल' से कर्मचारियों के शोषण की गंभीर शिकायतें सामने आ रही हैं। यह अस्पताल एक ओर शहर के मध्यमवर्गीय व गरीब तबके के मरीजों के लिए इलाज का बड़ा केंद्र बन चुका है, वहीं दूसरी ओर यहां काम कर रहे कर्मचारियों की स्थिति अत्यंत दयनीय और शोषणपूर्ण है। अस्पताल में कार्यरत कर्मचारियों ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि उन्हें मासिक वेतन महज 6000 से 8,000 रुपये तक ही मिलता है, जबकि राज्य शासन द्वारा तय न्यूनतम मजदूरी इससे कहीं अधिक है। कुछ कर्मचारी तो ऐसे भी हैं, जिन्हें पिछले एक से दो माह से वेतन तक नहीं दिया गया है। भुगतान में देरी अब सामान्य प्रक्रिया बन गई है।

काम के घंटे निर्धारित नहीं

मौजूदा कर्मचारियों ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन 12 से 14 घंटे तक लगातार ड्यूटी करवाता है, जबकि श्रम कानून के अनुसार एक कर्मचारी से एक दिन में 8 घंटे से अधिक काम नहीं करवाया जा सकता। इसके अलावा छुट्टियां, ओवरटाइम और हफ्ते में एक दिन अवकाश जैसी मूलभूत सुविधाएं भी यहां नदारद हैं। सबसे गंभीर आरोप यह है कि अस्पताल में कई ऐसे लोग बतौर नर्स, तकनीशियन और मेडिकल स्टाफ के रूप में कार्यरत हैं, जिनके पास आवश्यक शैक्षणिक योग्यता और पंजीकरण नहीं है। स्वास्थ्य सेवाओं में यह एक गंभीर लापरवाही मानी जाती है, क्योंकि अप्रशिक्षित स्टाफ द्वारा मरीजों की देखरेख से उनकी जान खतरे में पड़ सकती है। एक कर्मचारी ने बताया, 'यहां केवल दिखावे के लिए कुछ योग्य स्टाफ रखा गया है, लेकिन अधिकांश स्टाफ या तो 10वीं-12वीं पास हैं या फिर अन्य किसी क्षेत्र के अनुभव वाले लोग हैं, जिन्हें छोटी ट्रेनिंग देकर मेडिकल सेवाओं में लगा दिया गया है। यह पूरी तरह से नियमों का उल्लंघन है।

कानूनी और सुरक्षा अधिकारों से वंचित कर्मचारी

यह भी सामने आया है कि अस्पताल में कार्यरत किसी भी कर्मचारी को ईएसआईसी, पीएफ, बोनस, ग्रेच्युटी जैसी सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा नहीं दी जाती। अधिकांश कर्मचारियों के पास नियुक्ति पत्र तक नहीं है, जिससे उन्हें कानूनी सुरक्षा की सुविधा नहीं मिल पाती। इस कारण अगर कोई कर्मचारी बीमार हो जाए या नौकरी से निकाला जाए, तो उसे कोई अधिकारिक संरक्षण नहीं मिलता।

नौकरी से निकालने की चेतावनी

कर्मचारियों ने बताया कि जब भी उन्होंने अपने अधिकारों की बात की या वेतन बढ़ाने की मांग रखी, तो प्रबंधन की ओर से सीधे नौकरी से निकालने की धमकी दी गई। एक नर्सिंग स्टाफ ने बताया, मैंने जब 14 घंटे ड्यूटी करने पर आपत्ति जताई तो कहा गया कि यहां काम करना है तो चुपचाप करो, वरना बाहर का रास्ता देखो।

विभागीय चुप्पी भी सवालों के घेरे में

सबसे हैरानी की बात यह है कि इन सबके बावजूद न तो श्रम विभाग, न ही स्वास्थ्य विभाग ने अब तक कोई संज्ञान लिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि या तो प्रशासन को जानकारी नहीं है या जानबूझकर अनदेखी की जा रही है। स्वास्थ्य अधिनियम और श्रम कानूनों के अनुसार, किसी भी चिकित्सा संस्थान में योग्य स्टाफ, निर्धारित वेतन और कार्यकाल, साथ ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की सुविधा अनिवार्य है। आदित्य अस्पताल में इन सभी का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है।

प्रबंधन ने टालमटोल किया

जब इस संबंध में आदित्य अस्पताल के प्रबंधन से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने मामले पर कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया। एक वरिष्ठ कर्मचारी ने फोन पर इतना ही कहा हमारे यहां सब ठीक है, कर्मचारी गलत आरोप लगा रहे हैं, लेकिन अंदरूनी सूत्रों की मानें तो अस्पताल में कई वर्षों से यही हालात हैं। वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों ने जिला प्रशासन व श्रम आयुक्त से मांग की है कि अस्पताल में हो रहे कर्मचारियों के शोषण की स्वतंत्र जांच कराई जाए और दोषियों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही अस्पताल में काम करने वालों को न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा और सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

स्वास्थ्य सेवाओं पर उठ रहे सवाल

यह मामला केवल कर्मचारियों के अधिकारों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि शहर की स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी प्रश्नचिन्ह खड़े करता है। जब एक निजी अस्पताल में अव्यवस्था और लापरवाही का यह हाल है, तो वहां इलाज करा रहे सैकड़ों मरीजों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी? यदि शीघ्र ही इस मामले पर ध्यान नहीं दिया गया, तो न केवल कर्मचारियों की जिंदगी प्रभावित होगी, बल्कि शहर के आम नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा भी दांव पर लग जाएगी।

बाणसागर डैम के आठ गेट चौथी बार खोले गए, जल स्तर 81 प्रतिशत के पार

शहडोल। मानसून की बारिश के चलते बाणसागर डैम में पानी की आवक में तेजी आई है। प्रशासन ने जल स्तर में निरंतर वृद्धि को देखते हुए, डैम के स्पिलवे के आठ गेट (संख्या 6 से 13) को 2.00 मीटर की ऊंचाई तक चौथी बार खोलने का निर्णय लिया है। वर्तमान में डैम का जल स्तर 339.96 मीटर तक पहुँच गया है, जो पूर्ण जल भराव स्तर (स्न.क्र.रु.) 341.64 मीटर से केवल 1.68 मीटर कम है।
बाणसागर डैम की कुल संग्रहण क्षमता 4412.69 एमसीएम (बिलियन क्यूबिक मीटर) है, जिसमें वर्तमान जल संग्रहण 81.27 प्रतिशत तक पहुँच गया है। इस समय डैम में 1019.00 क्यूसेक जल का आगमन हो रहा है, जबकि जल निकासी की मात्रा 3191.00 क्यूसेक है। स्पिलवे के माध्यम से 3080.00 क्यूसेक जल निकासी की जा रही है। बाणसागर परियोजना के कार्यपालन यंत्री विनोद ओझा ने बताया कि चार बार गेट खोलने का निर्णय लिया है, और अगर आगामी दिनों में वर्षा की तीव्रता बनी रहती है, तो और गेट भी खोले जा सकते हैं। हम निचले इलाकों के निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं।
इस स्थिति के मद्देनजर, प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष रूप से अलर्ट रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि जल स्तर में वृद्धि के कारण बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। सुरक्षा उपायों के तहत, अधिकारियों ने निचले इलाकों की सडक़ों और परिवहन मार्गों की निगरानी बढ़ा दी है। स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन से संपर्क करें।

महिला से लूट का आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र में बाजार से लौट रही एक महिला से लूट की वारदात को अंजाम देने वाले एक आरोपी को पुलिस ने चंद घंटों में गिरफ्तार कर लिया है। लुटेर महिला के हाथ से बैग, चांदी के गहने और मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए थे। सीधी थाना क्षेत्र की रहने वाली 20 वर्षीय मैथली यादव बरगवां बाजार में खरीदारी के बाद घर लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में दो अज्ञात बदमाशों ने उसे रोककर लूटपाट की। आरोपियों ने महिला से चांदी की पायल, लॉकेट और मोबाइल फोन छीन लिए। महिला ने दो दिन बाद जैतपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। जैतपुर थाना प्रभारी जिया उल हक ने बताया कि घटना की रिपोर्ट मिलते ही एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए एक आरोपी सुरेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया, जो पास के ही गांव का निवासी है। उसके पास से लूट का कुछ सामान भी बरामद किया गया है, जबकि उसका साथी अब भी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के भी प्रयास किए जा रहे हैं। घटना को लेकर पीड़िता मैथली यादव ने कहा, मैं बहुत डरी हुई थी, लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई से मुझे राहत मिली है। उम्मीद है कि दूसरा आरोपी भी जल्द पकड़ा जाएगा।

स्कूल शिक्षा विभाग की लापरवाही का दंश झेल रहे हैं बच्चे

तो दशक पहले कोयलांचल का ख्याति प्राप्त विद्यालय अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहा

शहडोल। जिले का कभी ख्याति प्राप्त रहा गणेश उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, धनपुरी नंबर-3, आज स्कूल शिक्षा विभाग की भारी लापरवाही और कुव्यवस्था के कारण अपने अस्तित्व को बचाने के लिए जूझ रहा है। वर्षों से यहां सुविधाओं का घोर अभाव, जर्जर भवन, भारी शिक्षक संकट और ध्यान न मिलने से बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित हैं

कोयलांचल के नाम से सालों तक चर्चित रहा धनपुरी नगर पालिका क्षेत्र का गणेश उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नंबर-3 शहडोल, आज गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। कभी सैकड़ों छात्रों और बेहतर परिणामों के लिए जाना जाने वाला यह स्कूल आज विभागीय उपेक्षा और भ्रष्टाचार की वजह से अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहा है।

जर्जर हो चुका है भवन

विद्यालय की हालत बहुत खराब है, भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है, जिसमें बारिश के दिनों में पढ़ाई करना भी बच्चों के लिए जोखिम भरा हो जाता है। जरूरी सुविधाओं का अभाव है, शौचालय टूटे हुए हैं और स्वच्छता के नाम पर शिक्षक और छात्र खुद श्रम करते हैं। सबसे गंभीर स्थिति शिक्षकों की है, नवमीं से बारहवीं तक की कक्षाओं के लिए 11 विषय शिक्षकों के स्वीकृत हैं, 6 माध्यमिक शिक्षक, 1 पीईटी एवं 3 सहायक शिक्षकों समेत दर्जनों पद खाली पड़े हैं, लेकिन फिलहाल एकलौता कर्मचारी, विजय शंकर मिश्रा, विद्यालय का सारा संचालन और पढ़ाई अकेले ही कर रहे हैं। वे ही प्राचार्य, शिक्षक, सफाईकर्मी और चौकीदार के सभी कार्य भी संभाल रहे हैं, बच्चों को 14 विषय पढ़ा रहे हैं, ताले खोलना, झाड़ू लगाना तक उनकी ही जिम्मेदारी है। एकमात्र अन्य कर्मचारी लिपिक हैं, जिनका पूरा समय कागजी कामों और कार्यालयीन जिम्मेदारियों में जाता है।

अतिथि शिक्षकों के लिए गुहार

पिछले 4-5 वर्षों में लगातार जिला शिक्षा अधिकारी शहडोल और संभाग आयुक्त, कलेक्टर को पत्र भेजकर अतिथि शिक्षकों की तैनाती के लिए गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही। इतना ही नहीं, स्कूल में अधिकतर शिक्षक सेवानिवृत्त हो चुके हैं और नए शिक्षकों की नियुक्ति लंबे समय से रुकी हुई है। विभाग की ओर से कोई वैकल्पिक व्यवस्था न किए जाने के कारण बच्चों का भविष्य अधर में है, उनकी शिक्षा गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, और एक ही शिक्षक पर 9वीं से 12वीं तक का पूरा अकादमिक दबाव है।

बच्चो की बेहतरी के लिए कोई ठोस कदम नहीं

वहीं दूसरी ओर, जिला शिक्षा कार्यालय में भ्रष्टाचार के मामले उजागर हो रहे हैं। हाल ही में शहडोल जिले के स्कूलों में पेंट और मरम्मत कार्यों के नाम पर लाखों रुपए के फर्जी बिल लगे, जिनका भुगतान बिना किसी भौतिक सत्यापन के कर दिया गया। बेमेल मजदूर और सामग्री खर्च जाहिर कर सरकारी पैसे का दुरुपयोग किया गया—जांच में सामने आया कि 24 लीटर पेंट को लगाने के लिए सैकड़ों मजदूर और मिस्त्री दिखाए गए और लाखों रुपए का भुगतान किया गया। प्राथमिक जांच में दोषी प्राचार्यों के निलंबन और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर शिक्षा व्यवस्था और बच्चों की बेहतरी के लिए न ठोस कदम उठाए गए, न ही सुविधाएं बहाल की जा सकी हैं।

सब्जी मंडी में अतिक्रमण बना जाम का कारण, प्रशासन बेखबर

स्थाई दुकानदारों का व्यापार हो रहा प्रभावित, फुटपाथ विक्रेताओं का बोलबाला

शहडोल। संभागीय मुख्यालय की मुख्य सब्जी मंडी इन दिनों अराजकता और अतिक्रमण का प्रतीक बनती जा रही है। हर दिन यहां जाम की स्थिति बनती है, लेकिन न नगर पालिका सक्रिय है और न ही यातायात विभाग। संकुचित सडक़ों पर चारों ओर फैला अतिक्रमण लगातार परेशानी का सबब बन रहा है। नो एंट्री के बावजूद दिनभर भारी वाहन मंडी क्षेत्र में बेरोकटोक घुसते हैं। प्रशासन की लापरवाही का आलम यह है कि न कोई चालान होता है, न ही सख्ती दिखाई जाती है। वहीं मंडी के आसपास लगी छोटी दुकानों और फुटपाथ विक्रेताओं की भरमार ने हालात और भी खराब कर दिए हैं।स्थाई दुकानदारों का कहना है कि उन्होंने लाखों रुपये खर्च कर दुकानें खरीदी हैं, लेकिन उनके सामने अनियमित रूप से छोटी दुकानें लगा दी जाती हैं, जिससे ग्राहक उनकी दुकानों तक नहीं पहुंच पाते। जाम के कारण वाहन लेकर आने वाले ग्राहक मंडी के अंदर आने से कतराते हैं। इससे इन दुकानदारों के व्यापार पर सीधा असर पड़ रहा है।दूसरी ओर, फुटपाथ विक्रेताओं को जाम की वजह से फायदा होता है। ग्राहक चलती गाडिय़ों से ही उनसे खरीदारी कर लेते हैं। जबकि स्थाई दुकानदार दिनभर खाली बैठने को मजबूर हैं। स्थानीय लोग और व्यापारियों ने कई बार नगर पालिका और प्रशासन से अतिक्रमण हटाने और यातायात व्यवस्था सुधारने की मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। जनता अब स्थायी समाधान की मांग कर रही है, जिससे मंडी की व्यवस्था सुधरे और व्यापार फिर से पटरी पर लौट सके।

सीएमएचओ कार्यालय में नियम ताक पर

15 साल से जमे स्टोर इंचार्ज पर उठे सवाल

शहडोल। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में पदस्थ स्टोर इंचार्ज जगदीश प्रसाद गर्ग पिछले 15 साल से ज्यादा वक्त से एक ही स्थान पर अटैच में हैं। प्रशासनिक नियमों के मुताबिक, कोई भी कर्मचारी अधिकतम तीन साल से ज्यादा एक ही पद या स्थान पर नहीं रह सकता, लेकिन गर्ग के मामले में ये नियम ताक पर रखे गए हैं। जानकारी के मुताबिक, जगदीश प्रसाद गर्ग की मूल पदस्थापना बुढार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में है। उनकी वेतन समस्त प्रक्रियाएं, बिलिंग समेत, बुढार से ही होती हैं लेकिन वे स्वयं को शहडोल सीएमएचओ कार्यालय में बतौर स्टोर इंचार्ज और क्रय प्रभारी के रूप में तैनात करा चुके हैं। यह अटैचमेंट वर्षों से सिर्फ 'जुगाड़ तंत्र' के भरोसे जारी है, जिससे अस्पताल प्रबंधन की कार्यशैली और पारदर्शिता पर प्रश्नचिन्ह खड़े हो रहे हैं।

नियम में शिथिलता या मिलीभगत?

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी ट्रांसफर एवं पोस्टिंग गाइडलाइन के अनुसार, किसी भी कर्मचारी को तीन साल से अधिक अटैचमेंट में रखना गैरकानूनी है। इसके पीछे उद्देश्य यही है कि कार्य पद्धति में निष्पक्षता बनी रहे और किसी पद की 'दुकानदारी' न चले। मगर जगदीश प्रसाद गर्ग के मामले में नियम शिथिल कर, व्यक्तिगत हित हेतु व्यवस्था को ही बंदरगाह बना दिया गया है। सूत्रों की मानें तो यह सब विभागीय मिलीभगत या प्रभाव के चलते संभव हुआ है।

दवाइयों-उपकरणों में बड़ा घोटाला

आरोप हैं कि स्टोर इंचार्ज रहते हुए गर्ग सरकारी अस्पताल में पहुंचने वाली दवाइयों और मेडिकल उपकरणों का बड़े स्तर पर दुरुपयोग कर रहे हैं। ऐसी शिकायतें पिछले कुछ वर्षों में कई बार सामने आई हैं कि अस्पताल स्टोर की दवाइयां और चिकित्सा सामग्री बाजार में खुलेआम बिक रही है। इससे न केवल सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की छवि धूमिल हो रही है, बल्कि गरीब मरीजों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस मामले की जांच लंबे समय से 'फाइलों' में दबाई जा रही है। संबंधित अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न होने से विभाग पर गंभीर सवाल उठते हैं।

कर्मचारियों में आक्रोश, अधिकारियों की चुप्पी

लंबे समय से अटैच रहने और लगातार शिकायतों के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया। इससे स्पष्ट है कि उच्च स्तरीय संरक्षण के अभाव में सीएमएचओ कार्यालय के कुछ अफसर और कर्मचारी भी इन गतिविधियों से परेशान हैं। विभागीय कर्मियों का कहना है कि नियम विरुद्ध अटैचमेंट से नई पोस्टिंग या प्रमोशन के योग्य कर्मचारियों का भी हक मारा जा रहा है।

क्या कहते हैं जानकार

स्वास्थ्य विभाग के एक पूर्व अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, खरीद-फरोख्त और स्टोर प्रबंधन में पारदर्शिता बेहद जरूरी है। यदि एक ही व्यक्ति वर्षों तक अटैच रहता है और मूल पदस्थापना से वेतन भी लेता है, तो निश्चित रूप से बड़े हित निहित हो सकते हैं। अभी तक न शहडोल सीएमएचओ और न ही जिला प्रशासन ने इस पर कोई स्पष्ट बयान दिया है। स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ऐसे मामलों में तुरंत उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई किया जाना जरूरी है। यदि इस तरह की अनदेखी लगातार होती रही, तो शहडोल जैसे जिले में स्वास्थ्य विभाग की विश्वसनीयता और आमजन का विश्वास दोनों प्रभावित होंगे। अब देखना होगा कि प्रशासन कब जागता है और कब तक जगदीश प्रसाद गर्ग जैसे कर्मचारियों पर नियम लागू होते हैं।

पत्नी गई मायके तो नाराज़ पति ने लगा ली फांसी

शहडोल । पत्नी के मायके जाने से नाराज पति ने घर के सामने स्थित पेड़ में फांसी लगाकर आत्मत्या कर ली है। युवक का परिवार घर के अंदर मौजूद था, और युवक ने घर के सामने सीढ़ी लगाकर पेड़ पर चढ़ गया और सुबह फांसी का फंदा बनाकर लटक गया,पड़ोस के लोगों ने जब युवक को पेड़ में लटकता देखा तब जाकर इसकी जानकारी परिजनों को दी,लेकिन जब तक युवक की मौत हो चुकी थी, मौके पर पहुंची पुलिस अपनी जांच कर रही है। घटना केशवाही चौकी के बलबहरा की है। केशवाही चौकी के बलबहरा गांव में घर के सामने स्थित पेड़ पर फांसी के फंदे लटकता समय लाल बैगा का शव मिला है। स्थानीय लोगों की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने अपनी जांच शुरू की है। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि समय लाल बैगा (40)की फांसी लगाने से मौत हुई है। युवक ने घर के सामने पेड़ में फांसी लगाई है। पेड़ में चढने के लिए युवक ने लकड़ी की सीढ़ी का सहारा लिया था। पुलिस के अनुसार स्थानीय लोगों ने समय लाल को फांसी में लटकता देखा और चीखना चिल्लाना शुरू किया, जिसके बाद घर के अंदर मौजूद समय लाल के परिजन बाहर निकले जब तक समय लाल की मौत हो चुकी थी। चौकी प्रभारी आशीष झारिया ने बताया कि परिवार व आस पड़ोस के लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं, जिसमें यह बात सामने आई है कि समय लाल की पत्नी मायके गई थी, जिससे वह परेशान था । परिजनों ने बताया कि समय लाल की पत्नी मायके जाने के बाद आने में काफी दिक्कत करती थी, जिससे समय लाल और भी परेशान हो जाता था। मायके जाने से पहले समय लाल ने पत्नी को काफी रोका था,लेकिन बह मानी नहीं और मायके चली गई ।जिससे परेशान समय लाल ने फांसी लगाई होगी, हालांकि पुलिस ने मामले पर मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

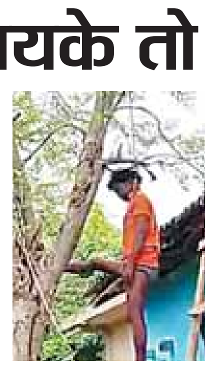

खबर संक्षेप

फॉलो अप लेने हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने ग्राम मरदरी का किया निरीक्षण

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देषानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर व्ही एस चंदेल ने ग्राम मरदारी विकासखंड करकेली का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान गृह भेट एवं आंगनवाड़ी ग्राम आरोग्य केंद्र का भ्रमण कर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पूजा यादव आंगनवाड़ी सहायिका रामकली सिंह एवं आशा कार्यकर्ता के साथ विस्तृत चर्चा कर उल्टी दस्त के संबंध में चर्चा की गई। भ्रमण के दौरान पाया गया कि उल्टी दस्त के मरीजों में शिविर में जांच एवं दवाई वितरण के उपरांत नियंत्रित है। स्वास्थ्य टीम द्वारा लगातार ग्राम में जांच एवं शिविर परामर्श सुविधा प्रदान की जा रही है आशा कार्यकर्ता रामकली सिंह द्वारा बताया गया किएक किशोरी को दस्त के प्रबंधन एवं उपचार हेतु चमेली सिंह पिता गणेश उम्र 14 वर्ष को इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है। ग्राम भ्रमण कर ग्रामीणों से चर्चा की गई एवं स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई जिसमें ग्राम वासियों को उल्टी दस्त होने पर तत्काल आशा कार्यकर्ता एवं मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा व्यक्तिगत रूप से अपने मोबाइल नंबर भी ग्राम वासियों को उपलब्ध कराया गया है जिससे कि जल्द से जल्द सजक एवं आवश्यकता अनुसार कार्य किया सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा विकासखंड करकेली की टीम को निरंतर भ्रमण एवं निगरानी करने हेतु निर्देशित किया गया है।

रेलवे की मदद से घायल नंदी का रेस्क्यू

शहडोल। रेलवे दुर्घटना में घायल हुए एक नंदी का बुधवार को बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सफल रेस्क्यू किया गया। अटल कामधेनु गौसेवा संस्थान के गौसेवकों ने भारतीय रेलवे की मदद से इस पुण्य कार्य को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, शहडोल के अडना नदी क्षेत्र में तीसरी रेल लाइन के निर्माण कार्य के बीच एक नंदी 4-5 दिनों से असहाय अवस्था में पड़ा हुआ था। लगातार बारिश और दुर्गम रास्तों के कारण वहां तक वाहन पहुंचाना असंभव था। ऐसे में जब यह सूचना अटल कामधेनु गौसेवा संस्थान को मिली, तो गौसेवकों ने हिम्मत नहीं हारी और घायल नंदी को बचाने के लिए निकल पड़े। संस्थान ने यूटिलिटी रेल से मदद का अनुरोध किया। मानवीय संवेदना दिखाते हुए रेलवे ने रेल को रोककर नंदी को उसमें लादने की अनुमति दी। घायल नंदी को सावधानीपूर्वक रेल में चढ़ाया गया और संस्थान परिसर के नजदीक रेल रोककर उसे उतारा गया। संस्थान के सदस्यों ने बताया कि नंदी को कंधे पर उठाकर संस्थान तक पहुंचाना किसी कांवड़ यात्रा से कम नहीं था। सावन के पावन महीने में यह सेवा ऐसा प्रतीत हुई जैसे महादेव को जल चढ़ाने का सौभाग्य मिला हो। गौरतलब है कि रेल दुर्घटना क्षेत्र दुर्गम और कच्चा था, जिससे रेस्क्यू बेहद कठिन हो गया था। इस सफल बचाव कार्य में भारतीय रेलवे का सहयोग सराहनीय रहा। घायल नंदी की स्थिति अब बेहतर है और उसका उपचार संस्थान में जारी है।

झोलाछाप डॉक्टर के इंजेक्शन लगाते ही कृषक की मौत

बदरा/जमुना। राधा कृष्ण मंदिर के पास सकोला निवासी जो वर्तमान में नेशनल हाईवे रोड बदरा बस स्टैंड के पास निवास बनकर रह रहा था वह सुबह खेती का काम करने के बाद अपनी पत्नी के साथ सिमरिया चौराहा के पास टेंगा गांव में इलाज कराने गया था पत्नी का इंजेक्शन लगवाने के बाद खुद झोलाछाप डॉक्टर को बोला मेरा भी तबीयत खराब लग रहा है डॉक्टर बंगाली जिसका अवैध क्लीनिक खुला हुआ है इंजेक्शन लगाते हैं रामू साहू पिता दादोली साहू की मृत्यु हो गई जिसे कोतमा सरकारी अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कृषक की कोई संतान नहीं है सिर्फ एक पुत्री हैं जो शादीशुदा है और इस घर की एकमात्र कामकाज करने वाला कृषक एवं राजमिस्त्री का कार्य करता था और अपना जीवन यापन परिवार का चल रहा था। पुलिस शिकायत दर्ज करके मृतक को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

घोटालेबाजों का उत्सव: जब भ्रष्टाचार बन जाए योग्यता का प्रमाण पत्र

एफआईआर के बाद भी दोषी कर्मचारी बेखौफ

विभागीय कार्रवाई अब तक शून्य

हरिभूमि न्यूज, उमरिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) जैसी जनकल्याणकारी योजना को कैसे लूटा जाए, इसका अगर कोई पाठ्यक्रम होता, तो जनपद पंचायत बिरसिंहपुर पाली इस विषय में विश्वविद्यालय बन चुका होता।

यहां के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला में ऐसा 'प्रैक्टिकल' किया है कि गरीबों के हक का पैसा सीधा बेईमानों की जेब में चला गया और मजे की बात यह है कि ना तो किसी की नौकरी गई, न ही किसी का वेतन रुका। बल्कि कुछ तो ऐसे हैं जैसे विभाग ने उनके 'कर्मठता' पर ताली भी बजाई हो।

सीईओ की आईडी बनी 'ऑनलाइन लूट' का औज़ार

जब किसी जनपद पंचायत के सीईओ की लॉगिन आईडी का ही खुलेआम दुरुपयोग हो जाए और उसका पता जांच के बाद चले, तब क्या अपेक्षित नहीं कि संबंधित आईटी अधिकारी, डेटा ऑपरेटर, और जिम्मेदार पदाधिकारी निलंबित होते? लेकिन यहां तो जैसे आईडी नहीं, कोई सार्वजनिक तालाब हो जिसका उपयोग कोई भी कर ले। सहायक लेखाधिकारी पतरूराम भगत और ब्लॉक समन्वयक इब्राहिम नोमानी ने डिजिटल सिग्नेचर की "जादूगरी" से 18 लाख 9 हजार 860 रुपये पात्र हितग्राहियों की बजाय 'निजी हितग्राहियों' के खातों में हस्तांतरित कर दिए। जिला स्तरीय जांच में जब यह सब उजागर हुआ, तो लगा कि अब कुछ तो कार्रवाई होगी। लेकिन हुआ क्या? कुछ नहीं। जैसे कोई सीरियल में इंटरवल के बाद सब पहले जैसा हो गया हो। शायद यही है 'मध्यप्रदेश मॉडल ऑफ मैनेजिंग करप्शन'।

जिला पंचायत सीईओ की भूमिका

इस पूरे मामले में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से अपेक्षा थी कि सभी दोषी कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जायेगा, घोटाले की राशि वसूलने की प्रक्रिया शुरू होगी, लॉगिन आईडी के दुरुपयोग की साइबर क्राइम रिपोर्ट दर्ज कराई जानी चाहिए थी, पंचायतों के कार्यों की स्वतंत्र एजेंसी से ऑडिट कराया जाना चाहिए था और सबसे अहम जनता को पारदर्शी तरीके से जानकारी दी जाती, लेकिन शायद सीईओ व्यस्त रहे किसी 'विकास कार्य' की समीक्षा में, जिसमें विकास का मतलब 'कागज पर मौजूद निर्माण' होता है।

जब आरोप ही पुरस्कार बन जाएं

अब आते हैं उन नामों पर जो भ्रष्टाचार को संस्थागत बनाने की होड़ में सबसे आगे रहे, पतरूराम भगत, चमन सिंह, फूल सिंह, भुवनेश्वर सिंह, राजेश यादव, राजाराम चंदेल, महाबीर सिंह, रामचरित सिंह, रामप्रसाद पनिका, शैलेन्द्र तिवारी, रविन्द्र सिंह और मोह. हुसैन खान। इनमें से अधिकांश अब भी अपने पदों पर हैं। कहीं रोजगार योजना चला रहे हैं, कहीं बिल पास कर रहे हैं और कहीं अगले घोटाले की नींव रख रहे हैं। अगर किसी दिन मध्यप्रदेश शासन 'भ्रष्टाचार में उत्कृष्टता' के लिए पुरस्कार घोषित करे, तो ये सभी अधिकारी निस्संदेह मंच पर माला पहनकर खड़े होंगे, और जनता ताली बजाएगी, मजबूरी में क्योंकि शिकायत भी कर दो, तो सुनवाई इन 'पुरस्कृत' लोगों के ही टेबल पर जाती है।

कागज़ी सिंहासन की कथा

सरकार कहती है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि एफआईआर हो चुकी है, चालान न्यायालय में प्रस्तुत है, आरोपी जमानत पर हैं, फिर भी विभागीय कार्रवाई एक कदम भी आगे नहीं बढ़ी। यानी जब तक कोर्ट से सज़ा न मिले, तब तक 'प्योर इनोसेंट' और जब सज़ा मिल जाए, तब तक रिटायरमेंट का टाइम आ चुका होगा। एक आम कर्मचारी अगर छुट्टी पर भी नियम से बाहर जाए, तो वेतन कटता है। लेकिन ये विशेष वर्ग है, इनके लिए न सस्पेंशन है, न वेतन रोक, और न ही पद से हटाने की औपचारिकता।

प्रशासन बना है सवालों का कब्रिस्तान

जब मामला न्यायालय में है, एफआईआर दर्ज हो चुकी है, जांच में दोष सिद्ध है, तब क्या अभी भी इन कर्मचारियों को पद पर बनाए रखना न्यायसंगत है?

कहीं ऐसा तो नहीं कि पद, पंचायत और प्रभाव के तिकड़ी ने कार्रवाई को रोक दिया हो?

जनपद पंचायत पाली को सलाम, जहां भ्रष्टाचार अब सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि एक 'सरकारी दक्षता' का प्रतीक बन चुका है।

फलिया टोला में नवीन ग्राम सभा के गठन के लिए प्रस्ताव पारित

उमरिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभय सिंह के परिपालन में एवं पेसा एक्ट जिला समन्वयक दमयंती सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी कन्हाई कुंवर, जय प्रकाश सिंह ब्लॉक समन्वयक पेसा के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत पाली के 13 ग्राम पंचायतों ने अपने फलिया टोला में नवीन ग्राम सभा के गठन के लिए प्रस्ताव पारित किया। पेसा अधिनियम 1996 (1996 का 40) के अंतर्गत मध्यप्रदेश पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) नियम 2022 के तहत नवीन ग्रामसभा के गठन हेतु ग्राम सभा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें पेसा मोबिलाइजर द्वारा उपस्थित ग्रामीण जन समुदायों को पेसा नियम 2022 की जानकारी से अवगत कराया गया तथा नवीन ग्राम सभा गठन की प्रस्ताव प्रक्रिया बताई गई। एवं मध्य प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी गई। नवीन ग्रामसभा गठन के उपरांत ग्राम पंचायत के सरपंच ग्राम रोजगार सहायक एवं पेसा मोबिलाइजर उपस्थित रहे।

चिल्हारी बस स्टैंड में नशा मुक्ति अभियान चलाया गया

उमरिया।

मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार 15 जुलाई से उमरिया पुलिस व्दारा नशा मुक्ति का अभियान (नशे से दूरी है जरूरी) जिले भर में अभियान का शुभारंभ किया गया है।नशा मुक्ति अभियान के तहत अमरपुर चौकी प्रभारी शिवनाथ प्रजापति के नेतृत्व में अमरपुर चौकी क्षेत्र अन्तर्गत जन जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को नशा ना करने एवं नशे से होने वाले दुष्प्रभाव से अवगत कराते हुए लोगो को नशा ना करने के लिए प्रेरित किया गया। अमरपुर चौकी अन्तर्गत अमरपुर, चिल्हारी ,महरोई मे एकत्रित लोगों को जागरूक कर नशा ना करने की शपथ दिलाई गई। चौकी प्रभारी शिवनाथ प्रजापति ने कहा कि नशा मुक्त जीवन जीने के लिए परिवार और दोस्तों का सहयोग सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। यदि समाज भी इस समस्या के खिलाफ एकजुट हो जाए, तो नशे पर काबू पाया जा सकता है। एक नशा मुक्त समाज न केवल स्वस्थ बल्कि सशक्त भी होता है। हमें इस दिशा में जागरूकता फैलाने और एकजुट होकर काम करने की जरूरत है ताकि नशे को जड़ से खत्म किया जा सके। जन अभियान परिषद ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चिल्हारी अध्यक्ष राजर्षि मिश्रा, दिनेश गुप्ता, नीरज पांडे, संतोष द्विवेदी,भैयादयाल साहू,कैलाश गुप्ता,भाऊ चौधरी, पप्पू सेन प्रधान आरक्षक गौरव तिवारी, प्रधान आरक्षक थान सिंह, आरक्षक अनुप गुर्जर, आरक्षक रविना निगवाल,आरक्षक रितु मालवीय सहित सैकड़ों की संख्या पर ग्रामीण उपस्थित रहे।

रामनगर पुलिस की बढ़ाई सतर्कता

संदिग्ध गतिविधियों पर कसी जा रही नकेल

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर।

क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं एवं अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण रखने की दिशा में रामनगर पुलिस द्वारा सतर्कता अभियान तेज कर दिया गया है। थाना प्रभारी के निर्देशन में क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय संदिग्ध व्यक्तियों, डेरा जमाए घुमंतू वर्ग एवं असामाजिक तत्वों की निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में आज सी-सेक्टर स्थित प्लास्टिक एकत्रीकरण स्थल पर पुलिस ने विशेष जांच अभियान चलाया।

सी-सेक्टर में पुलिस का छापा

सी-सेक्टर क्षेत्र में स्थित प्लास्टिक संग्रहण स्थल पर रह रहे लोगों से पुलिस ने गहन पूछताछ की। सभी व्यक्तियों के पहचान पत्रों का सत्यापन किया गया और उनके नाम-पते नोट कर आवश्यक जानकारी दर्ज की गई। पुलिस की यह कार्यवाही स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को प्रारंभिक स्तर पर ही रोका जा सके।

अवैध व्यापार पर भी नजर

प्लास्टिक खरीद-फरोख्त के कार्य में लगे व्यापारियों के दस्तावेजों की भी बारीकी से जांच की गई। विशेष रूप से जीएसटी रजिस्ट्रेशन नंबर, खरीदी-बिक्री का लेखा जोखा, तथा माल की आवाजाही का विवरण जांचा गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं इन स्थानों का उपयोग किसी प्रकार के अवैध व्यापारिक उद्देश्यों के लिए तो नहीं हो रहा है। रामनगर पुलिस का यह अभियान आने वाले दिनों में और भी व्यापक रूप से चलाया जाएगा, ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखा जा सके और नागरिकों को सुरक्षित माहौल प्रदान किया जा सके।

हसदेव क्षेत्र में एटक को नई ऊर्जा, कई यूनियन प्रतिनिधियों ने जताया भरोसा

हरिभ्झूमि न्यूज जमुना कोतमा।

हसदेव क्षेत्र की ट्रेड यूनियन राजनीति में आज एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला, जब विभिन्न यूनियनों से जुड़े अनुभवी श्रमिक प्रतिनिधियों ने अपनी पूर्व की सदस्यता छोड़कर एटक (AITUC) का दामन थामा। यह केवल संगठन परिवर्तन नहीं, बल्कि नेतृत्व के प्रति बदलते विश्वास और श्रमिक हितों की रक्षा के लिए मजबूत वैचारिक प्रतिबद्धता का प्रतीक बनकर सामने आया। लंबे समय से कार्यस्थलों पर सक्रिय श्रमिक नेताओं माइनिंग सरदार, वेल्डर, टेलीफोन लाइनमैन और इलेक्ट्रिशियन ने एटक मंच से अपनी नई पारी की शुरुआत की।इन प्रतिनिधियों ने अपने निर्णय को विचारधारा और संगठन की दिशा से जुड़ा बताते हुए कहा कि एटक आज उन गिने-चुने संगठनों में है, जो ज़मीनी स्तर पर श्रमिकों की लड़ाई ईमानदारी से लड़ रहा है। इस अवसर पर राजकुमार पांडे, शकील अहमद, नाजिम खान, लखन दास, संतोष कुमार, ध्यान सिंह और शिवशंकर जैसे प्रतिनिधियों ने एचएमएस, बीएमएस और सीआईटीयू जैसी यूनियनों को छोड़कर एटक की सदस्यता ली। सभी ने एक स्वर में कहा कि अब समय है कि श्रमिक अपने नेतृत्व का चयन सोच-समझकर करें, और एटक वह मंच है जो उनकी उम्मीदों पर खरा उतरता है। इस ऐतिहासिक क्षण को चिह्नित करते हुए एक संगठित बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें एटक के वरिष्ठ पदाधिकारी डी.एन. सिंह, आर.के. गिरी, रामचरण यादव, नूर मोहम्मद, मनोज सिंह, पप्पू यादव, वेद प्रकाश चौरसिया, राजेश सिंह, ओम प्रकाश यादव, गौतम पारीदा और ललित कुमार उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने नए साथियों का स्वागत करते हुए इसे संगठन की मजबूती के लिए उत्साहवर्धक क्षण बताया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि आज का यह कदम सिर्फ सदस्यता ग्रहण नहीं, बल्कि एक आंदोलन की शुरुआत है। अब संघर्ष केवल ज्ञापनों और मांगपत्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एक संगठित और सजग श्रमिक वर्ग के रूप में प्रबंधन और प्रशासन के समक्ष न्याय और अधिकार की आवाज बुलंद की जाएगी।

नगर में बढी मच्छरों की फौज

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

बारिश का मौसम शुरू हो गया है। नगर में वर्तमान में मच्छरों की तादाद निरंतर बढ़ती जा रही है। घरों के आसपास जमा हुआ पानी मच्छरों की तादाद बढ़ाने में सहायक हो रहा है। नगर के विभिन्न वार्डों में नालिया भी चोक है नालियों में जमा हुआ पानी मच्छरों की फौज को निरंतर बढ़ा रहा है। नगर पालिका द्वारा नियमित साफ सफाई तो करवाई जा रही है लेकिन सफाई कर्मचारी मात्र खाना पूर्ति करते हैं। जिस वजह से शाम ढलते ही मच्छरों की फौज घरों में हमला कर देती है। नगर पालिका द्वारा लंबे समय से मच्छर नाशक दवा और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव न करने से यह समस्या दिन प्रतिदिन विकराल होती जा रही है। वर्तमान में मच्छर के काटने से नगर में मलेरिया फैलने की आशंका है। बारिश का मौसम होने के कारण जगह जगह गाजर घास के पौधे ऊगे हुए है। जिसकी सफाई की ओर नगर पालिका के अधिकारियों का ध्यान नही जा रहा है। गाजर घास के कारण कई प्रकार की घातक बीमारी डेंग मलेरिया होने का अंदेशा नागरिकों में बना हुआ है। स्थानीय निवासियों के शिकायत करने पर भी नाली एवं गाजर घास की सफाई और मच्छर नाशक दवा का छिड़काव नहीं किया जाता है। पूर्व में नगर पालिका के द्वारा फागिंग मशीन से शाम को प्रत्येक वार्डों में फागिंग किया जाता था जिससे मच्छर नहीं पनपते थे। लेकिन लगभग 2 साल से फागिंग मशीन बिगड़ी पड़ी है जिसके कारण नगर पालिका के द्वारा नगर में फागिंग नहीं करवाई जा रही है।

उगे हैं गाजर घास

बारिश का मौसम शुरू हो गया है और नगर में जगह-जगह गाजर घास की झाड़ियां उगी हुई है जिसे साफ सफाई करवाने के लिए नगर पालिका प्रशासन के पास समय ही नहीं है। ऐसा नहीं है कि नगर पालिका अधिकारी को इसकी जानकारी ना हो लेकिन सुपरवाइजर की लापरवाही के कारण सड़क के किनारे एवं नालियों के आसपास गाजर घास की झाड़ियों को नहीं कटवाया जा रहा है जिसके कारण भी मच्छर पनप रहे हैं। जबकि पूर्व में कलेक्टर अनूपपुर के द्वारा सभी नगर पालिका अधिकारियों को बारिश के पूर्व नगर की साफ सफाई एवं झाड़ियां की साफ सफाई करवाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन नगर पालिका की लापरवाही एवं उदासीनता के कारण नगर की साफ सफाई व्यवस्था चौपट नजर आ रही है।

खबर संक्षेप

फर्जी कंप्यूटर कॉलेज छात्रों को कर रहे गुमराह

ब्यौहारी। नगर के अंतर्गत कई ऐसे कंप्यूटर कॉलेज चल रहे हैं जिनको यूनिवर्सिटी से मान्यता नहीं मिली ऐसे कंप्यूटर कॉलेज कम फीस का लालच देकर छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं इनके पास ना प्रैक्टिकल रूम है ना प्रशिक्षित टीचर एक कमरे में कालेज चला रहे हैं और विद्यार्थियों को सब्जबाग दिखाकर कम फीस का लालच देकर एडमीशन कर लेते लेकिन डिग्री करने के बाद सब किसी संस्थान में वह छात्र नौकरी करने जाता है तो ठगा रह जाता है क्योंकि इसकी डिग्री है मान्य नहीं होती यहां पर कुछ संस्थान अपने आप को रविंद्र नाथ टैगोर यूनिवर्सिटी भोपाल से मान्यता प्राप्त बताते हैं लेकिन जानकारी के अनुसार रविंद्र नाथ टैगोर यूनिवर्सिटी अपने मेंन संस्थान भोपाल के अलावा कहीं और मान्यता नहीं दे सकती और मान्यता दूरवर्ती शिक्षा के तहत दी जाती है जहां रेगुलर क्लास नहीं चलती छात्र अपने घर में रहकर पढ़ाई करते हैं और सिर्फ परीक्षा देने आते है इसी तरह से कुछ संस्थान आईबीएम से मान्यता प्राप्त बताते आईबीएम भी अपने मुख्य संस्थान के अलावा अन्य जगह फ्रेंचाइजी नहीं दे सकते ऐसे कंप्यूटर कॉलेज मार्तंड़गंज के पास हायर सेकेंडरी स्कूल के पास कमरे और बेसमेंट में चल रहे हैं ऐसे संस्थानों के खिलाफ जिला प्रशासन को कार्रवाई करना चाहिए जिससे छात्रों का भविष्य बर्बाद होने से बच सके।

महेन्द्र सिंह परिहार बने फुनगा भाजपा मंडल उपाध्यक्ष

अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी अनूपपुर जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के अनुमोदन पर जिले के अनूपपुर विधानसभा अंतर्गत भाजपा मंडल फुनगा के स्थानीय भाजपा मंडल में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। जिसमे पूर्व मे भी उपाध्यक्ष का दायित्व संभाल चुके महेन्द्र सिंह परिहार को पुनः फुनगा मण्डल से उपाध्यक्ष का दायित्व दिया गया है। मंडल अध्यक्ष मुकेश पटेल ने कहा कि नई कार्यकारिणी भारतीय जनता पार्टी की नीतियों के अनुरूप काम करेगी। संगठन की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए काम करेंगे। ज्ञात हो कि महेन्द्र सिंह संगठन के निष्ठावान कार्यकर्ता हैं, इनके पुराने संगठन के प्रति निष्ठा ईमानदारी को देखते हुये पुनः दायित्व दिया गया है। इनके नियुक्ति पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं व कार्यकर्ताओं ने बधाई प्रेषित की है।

नदी में आई अचानक बाढ़ में बहा वृद्ध, मौत

शहडोल। जिले के जैतपुर के खपरखूंटा नदी किनारे एक वृद्ध का शव मिलने के बाद गांव में हडकंप मचा गया है। वृद्ध अपने खेत गया था जिसके बाद से वह लापता हो गया और उसका शव दूसरे दिन खेत से दस किलोमीटर दूर नदी किनारे मिला है।मृतक की पहचान कदौड़ी गांव के रामकरण उम्र 75 वर्ष के रूप में हुई है, जो अपने खेत से लापता हुआ था। घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों पर गौर करते हुए, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जैतपुर के बहाडोल के स्थानीय निवासियों ने नदी किनारे एक शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना के बाद मौके पर जैतपुर थाना प्रभारी जिया उल हक अपनी टीम के साथ पहुंचे और उन्हें ने शव की पहचान करवाई, उन्हें ने कहा ,हम मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लिया। जांच करने पर हमें यह जानकारी मिली कि मृतक रामकरण कदौड़ी गांव के निवासी हैं। जो एक दिन पहले अपने खेत से लापता हो गए थे। पुलिस को रामकरण के परिवार से मिली जानकारी के अनुसार, वह एक दिन पहले दोपहर खेत में तकवारी करने गए थे। उनके पुत्र ने बताया, पिताजी खेत में काम करने के बाद शौच के लिए नदी गए होंगे। संभवतः उस समय नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया।

बच्चों को परोसा जा रहा घटिया मध्यांन भोजन

ब्यौहारी

विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जन शिक्षा केंद्र बराछ के प्राथमिक विद्यालय सनौसी सेमरिया टोला में बच्चों को मीनू के अनुसार भोजन तो दूर सही ढंग से चावल दाल सब्जी तक नहीं दी जा रही दाल ऐसी बनाई जाती है की पानी ही पानी दाल नाम मात्र की सब्जी ऐसी की उसमें आलू ढूंढने से नहीं मिलते समूह संचालक द्वारा बच्चों की हाजिरी भी अधिक भरी जा रही है इसके बावजूद जो बच्चे आते हैं उनको सही ढंग से खाना नहीं दिया जाता समाज सेवी आशीष साकेत द्वारा विद्यालय में पहुंचकर समूह संचालक की ईस लापरवाही का खुलासा किया गया और कलेक्टर से मांग की है बच्चों को मीनू के अनुसार भोजन दिया जाए खराब भोजन दें रहे समूह संचालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इनका कहना है

मैंने सामान संचालक को बार-बार शिकायत दी कि बच्चों को मीनू के अनुसार भोजन दिया जाए लेकिन उसके द्वारा बराबर खराब भोजन दिया जा रहा है

विनोद पांडे हेडमास्टर
प्राथमिक विद्यालय सेमरिया टोला।

पाली शहडोल एनएच 43 रोड पर जानलेवा खतरा

पहाड़ी कटाव से गिर रहे भारी पत्थर

मोर्चा फाटक से आधा किलोमीटर आगे सड़क पर मंडरा रहा है हादसे का खतरा

उमरिया जिले के पाली शहडोल एनएच 43 पर मोर्चा फाटक से लगभग आधाकिलोमीटर आगे की सड़क पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

बिरसिंहपुर पाली

इस क्षेत्र में सड़क निर्माण के दौरान पहाड़ को काटकर मार्ग तैयार किया गया था, लेकिन बरसात के दिनों में यही कटाव अब जानलेवा होता जा रहा है। ताजा तस्वीरों से साफ है कि पहाड़ से बड़े-बड़े पत्थर टूटकर सड़क पर गिरने लगे हैं। इन पत्थरों के सड़क पर आ जाने से न केवल यातायात बाधित हो रहा है, बल्कि दुर्घटना की आशंका भी लगातार बनी हुई है। कई भारी पत्थर अब भी लटके हैं।

दुर्घटना का इंतजार

स्थानीय नागरिकों की मानें तो अभी भी कई भारी पत्थर ऐसे हैं जो ऊपर से लटके हुए हैं और थोड़ी सी बारिश या कंपन से नीचे गिर सकते हैं। यदि यह पत्थर किसी वाहन या राहगीर पर गिरता है तो एक बड़ी त्रासदी से इनकार नहीं किया जा सकता।सड़क किनारे कोई सुरक्षात्मक व्यवस्था नहीं चौंकाने वाली बात यह है कि इस संवेदनशील इलाके में कोई भी सुरक्षा जाली, चेतावनी बोर्ड या पत्थर रोकने की संरचना नहीं लगाई गई है। यह लापरवाही आने-जाने वाले हर वाहन को खतरे में डाल रही है।प्रशासन और एनएचएआई की अनदेखीस्थानीय लोगों ने कई बार इस समस्या को लेकर संबंधित विभागों को अवगत कराया है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) और प्रशासन की यह चुप्पी अब लोगों की जान पर भारी पड़ सकती है।

जनहित में मांग

तत्काल सुरक्षा इंतजाम हों

क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि इस मार्ग पर तत्काल भू-स्लिप (landslide) नियंत्रण के उपाय किए जाएं, लटके हुए पत्थरों को हटाया जाए और सुरक्षा दीवार/जाली लगाकर आगे किसी भी अप्रिय घटना को रोका जाए।

घुनघुटी ममान सड़क एक पखवाड़े में ही आ गयी सड़क में दरारे

गुणवत्ताहीन बने मार्ग की कहानी अधिकारियों की मुँह जुबानी

उमरिया जिले के निर्माण कार्यो के खोखला पन की शिकायतें आम हो चुकी है। चाहे लोक निर्माण विभाग हो या अन्य विभाग हर एक की अपनी अलग ही पहचान बनी हुई है। लोक निर्माण जैसे संवेदनशील विभाग जिसके पास वर्तमान में सडक निर्माण और रख रखाव का ही जिम्मा दिया गया है, लेकिन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारो की मिली भगत से वर्षों के लिए बनायी गयी सडकें समय से पहले ही दम तोड़ती नजर आ रही है। विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को यह कमी नजर नहीं आती। आये भी क्यों? सडक के बरबादी के जिम्मेदार भी तो यही अधिकारियों की है । ऐसा ही एक सडक निर्माण का मामला जिले के पाली विकास खंड के घुनघुटी ममान सडक का आया है। यह सडक एक तरफ से बनती जा रही थी, तो जो पहले नव निर्मित हुई थी वह बिगडती जा रही थी। तब इस सडक की गुणवत्ता को समाचार पत्रों में उठाया गया था, बाबजूद सडक में सुधार कार्य कराया गया था लेकिन जिसकी बुनियाद ही कमजोर हो उसमें ऊपर से चाहे जितने जतन कर लेप लगाया जाये, वह टिकाऊ नहीं हो सकता। हुआ भी वही पूरी सडक में बीच से दरार आ गयी है। घुनघुटी ममान मार्ग जिसका निर्माण कार्य जून माह के आखिर में ही पूरा हुआ है, वह सडक पूरी तरह

बदहाल हो गयी है। खेद जनक कहा जाये की जब नव निर्मित सडक के हाल -बेहाल हो चुकी हैं, तो आगे चलकर सडक के क्या हाल होगें, यह एक विचारणीय सवाल हर एक को परेशान कर रखा है। आखिर कार वर्षों के लिए बनायी गयी सडक कुछ दिनों में ही दम तोड़ दी है। इस संदर्भ में लोक निर्माण विभाग के उपयंत्री सुश्री संस्कृति मरकाम से दूरभाष पर चर्चा करने पर बताया कि यह मार्ग के गुणवत्ता हीन बनाये जाने पर संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी किया गया है, शीघ्र ही खराब सडक का पुनर्निर्माण कराया जायेगा। जबकि देखने में पाया गया है की नव निर्मित पूरी तरह घटिया बनी हैं,, जिसके कारण जगह जगह सडक दब गयी है, सडक पर दरार आ गयी है , गिट्टिया उखड रही है, डामर उखड गयी है, जिस सडक पर पैबंद लगाने से सडक कितनी टिकाऊ हो पायेगी यह विस्तृत जांच का बिषय बना हुआ है।घुनघुटी ममान मार्ग के घटिया पन के बारे में पाली जनपद पंचायत के अध्यक्ष मनीष सिंह ने कहा की सडक निर्माण में मानको का पालन नहीं होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न होती है। जब निर्माण कार्य होता है तब जिम्मेदार अधिकारी कार्य स्थल पर आते नहीं है, निर्माण कार्य ठेकेदार अपने मनमर्जी से काम करते हैं। डामर किस टेम्परेचर का होना चाहिए, गिट्टी डामर का रेस्यू कितना होना चाहिए, यह सब कार्य स्थल पर देखा जाना चाहिए, लेकिन बिल भुगतान और कमीशन खोरी के चक्कर में अधिकारियों की गणित में लिप्त रहते हैं। आपने कलेक्टर महोदय से अपेक्षा है की पूरी सडक की विधिवत जांच कर उचित कार्यवाही करने की मांग की है।

एचएमएस का बरतराई में गेट मीटिंग

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा। क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला के नेतृत्व में बरतराई यू खदान में कोयला मजदूर सभा एच एम एस द्वारा गेट मीटिंग का आयोजन किया गया गेटमीटिंग में क्षेत्र के पदाधिकारी उप महामंत्री कौशलाधीश द्विवेदी, जे सी सी सदस्य उमेश मिश्रा, संगठन मंत्री बासुकी सिंह सेफ्टी बोर्ड सदस्य शैलेन्द्र दुबे, इकाई के अध्यक्ष गंगाराम त्यागी, सचिव रामाधार केवट, उपाध्यक्ष बेदप्रकाश, महादेव बनर्जी, शैलेंद्र सोनी, उमाकांत त्रिपाठी, इंद्र भान तिवारी, लाला राठौर तथा क्षेत्रके तेजतर्रार युवा नेता नर्मदा प्रसाद शर्मा तथा सैकड़ों कामगारों ने हिस्सा लिया सभा को संबोधित करते हुए कौशलाधीश द्विवेदी ने विस्तार पूर्वक कामगारों के प्रति HMS द्वारा किए गए संघर्ष तथा गंभीर मुद्दों को कैसे हल कराया गया, जानकारी दी गई। श्रीकांत शुक्ला ने भी अपनी बाते रखी तथा सभी को आगाह कराया गया इधर उधर भटकने की जरूरत नहीं है आप सब लोग एक होकर कोयला मजदूर सभा HMS के पक्ष में वेरीफिकेशन कराइए और संगठन का हाथ मजबूत करिए, संगठन का वायदा है कि आपके हर परिस्थित में संगठन आपके साथ खड़ा मिलेगा आप सभी का सहयोग हमेशा की तरह मिलता रहेगा।

बुढानपुर से सुबह दस बजे अमरकंटक के लिए प्रस्थान करेगी शिवशक्ति दरबार

कोतमा। कोतमा नगर के समीपी गांव बुढानपुर से गुरूवार को शिवशक्ति दरबार बुढानपुर से सुबह दस बजे अमरकंटक के लिए प्रस्थान करेगी। समिति के लोगों ने बताया कि सौभाग्य का विषय है की हर वर्ष हम लोग सावन के महीने मे कांवड यात्रा ले जाते हैं। इस बार भी गुरूवार को शिव शक्ति दरबार बुढ़ानपुर से सुबह 10 बजे अमरकंटक के लिए प्रस्थान करेगी और 18 जुलाई को सुबह 10 बजे से अमरकंटक से चलकर पदयात्रा परमधाम लखबरिया के लिए कांवरिया यात्रा प्रस्थान करेगी।

सिद्ध बाबा मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु समाजसेवियों ने एसईसीएल महाप्रबंधक सोहागपुर को ज्ञापन सौंपा

अमलाई।

सिद्ध बाबा मंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर सोमवार को स्थानीय समाजसेवियों ने एसईसीएल सोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि मंदिर की छत और दीवारें कॉलरी क्षेत्र में हो रही लगातार ब्लास्टिंग के कारण क्षतिग्रस्त हो गई हैं। मंदिर की दीवारों में दरारें पड़ गई हैं और छत के बड़े हिस्से गिर चुके हैं, जिससे श्रद्धालुओं की आस्था के इस केंद्र पर खतरा मंडरा रहा है।समाजसेवियों ने ज्ञापन में मांग की कि एसईसीएल प्रशासन मंदिर की मरम्मत और जीर्णोद्धार के लिए विशेष पहल करे। उन्होंने कहा कि ब्लास्टिंग से हुए नुकसान की भरपाई एसईसीएल को करनी चाहिए ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण में पूजा-अर्चना करने का अवसर मिल सके।ज्ञापन सौंपने वालों में अखिलेश सिंह,मनीष तिवारी,सौरभ सिंह,दिनेश सिंह,उदय नामदेव सहित सिद्धबाबा मंदिर समिति के कई लोग शामिल रहे हैं1

एसपी ने छात्रों को किया नशे के खिलाफ जागरूकता का संकल्पबद्ध आह्वान, पाली के सेंट जोसेफ विद्यालय में चला जन-जागरूकता अभियान, छात्र-छात्राओं ने लिया संकल्प

रिसिंहपुर पाली

नशे से दूरी है जरूरी₹ इसी संदेश को लेकर उमरिया जिले की पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने बुधवार को बिरसिंहपुर पाली के सेंट जोसेफ विद्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच पहुंचकर विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया। इस अवसर पर उन्होंने नशे के दुष्परिणामों को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को इससे बचने और समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया।कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत उद्बोधन के साथ हुई, जिसमें विद्यालय प्रबंधन ने पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, एसडीओपी एस.सी. बोहित तथा थाना प्रभारी राजेशचंद्र मिश्रा सहित अन्य पुलिस अधिकारियों का पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया। इसके पश्चात सभागार में उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए एसपी ने कहा कि नशा सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समाज और देश को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा, नशा नाश का कारण है, इससे जीवन की दिशा भटक जाती है और व्यक्ति आत्मविनाश की ओर अग्रसर हो जाता है।नायडू ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में यदि ऊंचाइयों को छूना है, तो संयम और संकल्प की राह अपनानी होगी। युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का भी बोध होना जरूरी है। इस दौरान उन्होंने मोबाइल और सोशल मीडिया पर दिखाए जाने वाले भ्रामक प्रचार और नशे को ग्लैमराइज करने वाले कंटेंट से भी सतर्क रहने की बात कही। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने आस-पास के लोगों को भी नशे से दूर रहने की प्रेरणा दें और पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।एसपी ने छात्रों से संवाद करते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में कई नशे की वस्तुएं अत्यंत सरलता से उपलब्ध हो रही हैं, जिनसे सतर्क रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन सतत रूप से ऐसे तत्त्वों पर निगरानी रखता है, परंतु जब तक समाज और विशेष रूप से युवा वर्ग जागरूक नहीं होगा, तब तक नशा मुक्ति अभियान पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सकता।कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं ने ₹नशे से दूर रहेंगे, दूसरों को भी जागरूक करेंगे₹ का संकल्प लिया। एसडीओपी एस.सी. बोहित और थाना प्रभारी राजेशचंद्र मिश्रा ने भी अपने उद्बोधन में नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से आग्रह किया कि वे स्वयं को शिक्षा, खेलकूद और रचनात्मक कार्यों में लगाएं ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो।विद्यालय के प्राचार्य ने पुलिस अधीक्षक के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को सही मार्गदर्शन मिलना अत्यंत आवश्यक है और पुलिस विभाग द्वारा चलाया गया यह अभियान निश्चित ही प्रभावशाली सिद्ध होगा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।इस अवसर पर शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकों का उत्साह भी देखने लायक था। सभी ने मिलकर नशे के खिलाफ इस मुहिम को समर्थन देने का आश्वासन दिया। यह अभियान न सिर्फ स्कूल तक सीमित रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र में सकारात्मक संदेश फैलाने का माध्यम बना।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान

नगर में निकाली गई जागरूकता रैली

युवाओं को खोखला बना रहा नशाः रत्नांबर शुक्ल

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

युवाओ में बढ़ती नशे की लत पर लगाम लगाने के लिए बुधवार को कोतमा थाना क्षेत्र अंतर्गत नशे से दूरी है जरूरी अभियान का शुभारंभ थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल द्वारा किया गया। बुधवार को कोतमा नगर मे स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ नगर के मुख्य मार्गों पर रैली निकालते हुए जागरूकता अभियान का संदेश दिया गया। अभियान में थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ला, अकबर खान, योगेंद्र तिवारी, राकेश पांडे रामचरण पाल सुशील उपाध्याय श्रीकांत तिवारी राजीव लोचन, संतोष चौबे सहित स्कूल स्टाफ, नागरिक, व्यापारी, मीडिया कर्मी सहित अन्य लोग शामिल रहे। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं सरस्वती शिशु मंदिर के सैकड़ो छात्र-छात्राओं के द्वारा नगर भ्रमण कर जन_जन ने ठाना है नशा मुक्त समाज बनाना है, नशे से बचे खुशहाल जीवन जिए, नशा नाश का कारण है जैसे संदेश देकर लोगों को जागरूक किया। थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल ने कहा कि जागरूकता अभियान 30 जुलाई तक चलेगा। मादक पदार्थों के सेवन की लत कई युवाओं को खोखला कर उनके परिवारों को भी बर्बाद कर रही है हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है कि किशोर, बच्चों और युवाओं को नशे से दूर रखें। सभी लोगों से अपील है की नशे के समान बिक्री की सूचना होने पर तत्काल पुलिस को दें। नशे के दुष्प्रभाव को लेकर आयोजित कार्यक्रम में सभी नगर वासियों से नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में शामिल होकर सहयोग की अपील की गई। नशे से दूरी है जरूरी अभियान 30 जुलाई तक चलेगा। जिसमें स्कूल, कॉलेज, शासकीय दफ्तर एवं सार्वजनिक जगहों पर चलाया जाएगा।

थाना रामनगर पुलिस की मानवीय पहल

घायल गाय का उपचार कराकर कराया गया सुरक्षित संरक्षण

हरिभूमि न्यूज राजनगर। थाना रामनगर पुलिस द्वारा कानून व्यवस्था के साथ-साथ मानवीय और सामाजिक जिम्मेदारियों का भी निर्वहन किया जा रहा है। इसी क्रम में 15.07.25 को थाना रामनगर की गश्त टीम द्वारा ग्राम खोड़री क्षेत्र में भ्रमण के दौरान एक गंभीर रूप से घायल गाय को सड़क किनारे लहूलुहान अवस्था में पाया गया। मौके पर तत्काल ग्रामीणों भीम सेन चौधरी, पिंटू अहिरवार, राजेश केवट, शिवकुमार यादव, रोहित केवट, जितेंद्र चौधरी से गाय के विषय में पूछताछ की गई। ग्रामीणों ने बताया कि यह गाय किसी व्यक्ति की नहीं है एवं संभवतः किसी वाहन की टक्कर से घायल हो गई है। चोट के कारण लंबे समय से उसका घाव ठीक नहीं हो रहा था। गंभीरता को देखते हुए गश्ती दल में शामिल एएसआई अशोक सिंह, प्रधान आरक्षक सनत द्विवेदी, प्रधान आरक्षक अमित पटेल एवं आरक्षक अनुराग भार्गव द्वारा तत्काल पशु चिकित्सा सहायक गौ सेवक महेश केवट को मौके पर बुलवाया गया। घायल गाय का मौके पर प्राथमिक उपचार कराया गया। उपचार उपरांत गाय को ग्राम खोड़री के सरपंच की सुपुर्दगी में दिया गया एवं उसे सुरक्षित स्थान पर रखवाया गया, जिससे उसकी समुचित देखभाल सुनिश्चित की जा सके। थाना रामनगर पुलिस द्वारा की गई यह

खबर संक्षेप

दुर्घटना में मृत्यु होने पर आर्थिक सहायता का बैंक प्रबंधक ने पत्नी को सौंपा चेक

अनूपपुर। जिले के ग्राम बम्हनी निवासी किसान राम विनोद पटेल की करंट लगने से असामयिक मृत्यु भारतीय स्टेट बैंक शाखा अनूपपुर ने मृतक की पत्नी मुन्नी बाई पटेल को दो लाख का चेक शाखा प्रबंधक नवीन कुमार ने प्रदान किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय से बॉबी मिंज (CM ऑपरेशन), नवनीत कुमार मिश्रा (सहायक प्रबंधक), शाखा मुख्य शाखा प्रवंथक नवीन कुमार, अजय कुमार, अमित पॉल, आशीष कोंगारी, मंगल सिंह तथा शाखा के सभी अधिकारी, कर्मचारी के उपस्थित रहे। भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक नवीन कुमार ने बताया कि ग्राम बम्हनी निवासी किसान राम विनोद पटेल का खाता भारतीय स्टेट बैंक शाखा अनूपपुर में खुला था जिनकी 1 मई 2024 को करंट लगने से असामयिक मृत्यु हो गई थी,उन्होंने बीस रूपये के वार्षिक प्रीमियम का प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना करवाया था। किसान के असामयिक दुर्घटना मृत्यु की जानकारी मिलने के उपरांत पीड़ति परिवार को संवेदना स्वरुप स्वयं बीमा के क्लेम 16 जुलाई को मृतक की पत्नी मुन्नी बाई पटेल को दो लाख का चेक प्रदान किया गया। बैंक ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना को अपनाएं, ताकि किसी भी विषम परिस्थिति में परिवार को आर्थिक मदद मिल सके।

श्री केसरी नंदन मंदिर में 19 जुलाई को होगा पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक

अनूपपुर। पवित्र सावन माह में भगवान शिव की आराधना,साधना से उनकी कृपा प्राप्त करने का पुण्य फल प्राप्त होता है। इसी तारतम्य में विगत वर्षों की भांति वार्ड क्रमांक 13 पुरानी बस्ती के केसरी नंदन मंदिर अम्हाई में 19 जुलाई को श्री केसरी नंदन मंदिर विकास परिषद अनूपपुर के सौजन्य से सामूहिक पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। समिति के सदस्यों ने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वह इस पवित्र और पुण्य कार्य में सहभागी बन भगवान शिव की कृपा प्राप्त करें। आयोजन समिति के रविंद्र शर्मा ने बताया कि श्री केसरी नंदन मंदिर में पवित्र पार्थिव शिवलिंग का निर्माण 19 जुलाई को प्रातः 9 बजे से किया जाएगा, दोपहर 2 से भंडारा प्रसाद का कार्यक्रम रखा गया है। उन्होंने सभी भक्तों से उपस्थित का आग्रह किया है।

आंगनबाडी भवन बनाने पार्षद दीपक शुक्ला की मांग

अनूपपुर। नगर पालिका परिषद अनूपपुर के वार्ड क्र.04 के पार्षद व जल कार्य एवं सीवरेज विभाग के सभापति दीपक कुमार शुक्ला ने कलेक्टर को शिकायती आवेदन देकर नया आंगनबाडी भवन बनाये जाने की मांग की है। उन्होने शिकायती आवेदन मे लेख किया है कि वार्ड क्रमांक 04 में सरकारी जमीन न होने के कारण आंगनबाडी किराये के कमरे में संचालित हो रहा है। उन्होने बताया कि वार्ड क्रमांक चार में एक प्राथमिक पाठशाला है। जिसमे लगभग 30 या 32 बच्चे पढते हैं जिन्हे कन्या पाठशाला बस स्टेण्ड में शिफ्ट किया जा सकता है क्योंकि वर्तमान मे जिस स्कूल मे बच्चे पढ रहे हैं उस स्कूल के कई कमरे जर्जर हो चुके हैं जिससे कभी भी अप्रिय घटना हो सकती है। उस जर्जर भवन को गिराकर नया आगंनबाडी भवन बनाया जा सकता है। श्री शुक्ला ने इस संबंध मे उचित कार्यवाही की मांग की है।

बृजेंद्र कुमार मिश्रा के निधन पर शोक

अनूपपुर। एक पेड़ मां के नाम अभियानके तहत आदर्श ग्राम बैहाटोला में नामांकुर संस्था जीएस हितकारिणी समिति एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के पूर्व में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद अनूपपुर के डाटा एंट्री ऑपरेटर बृजेंद्र कुमार मिश्रा के आकस्मिक निधन पर 2 मिनट मृत आत्मा की शांति के लिए शोक संवेदनाएं व्यक्त की गई तद्पोरांत वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया कार्यक्रम मे विकासखंड से सरिमन साकेत विकास खंड समन्वयक मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद कोतमा पूर्व सरपंच होम लाल सिंह नवांकुर संस्था से ओंकार सिंह बैहाटोला ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति की अध्यक्ष श्रीमती निर्मला सिंह समिति के सदस्य तथा ग्रामीण जन उपस्थित थे।

जेब पर भारी स्कूलों की मनमानी, आसमान छू रहे निजी प्रकाशकों की किताबों के दाम

कलेक्टर के आदेश की निजी विद्यालय उडा रहे धज्जियां

शिक्षा विभाग की मिलीभगत से निजी विद्यालय चल रहे नियम विरूद्ध

एनसीईआरटी से तीन-चार गुना महंगी, नियमों को ताक पर रख चल रहे विद्यालय

प्रायवेट स्कूल आदेश की अवहेलना करते हुए अभिभावकों को निजी प्रकाशकों की किताबें ही खरीदने पर मजबूर कर रहे हैं। जो एनसीईआरटी की किताबों के मुकाबले तीन से चार गुना महंगी है। कुछ स्कूलों में पूरा सेट लेने पर छूट जैसे ऑफर देकर अभिभावकों को लुभाने की भी कोशिश हो रही है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

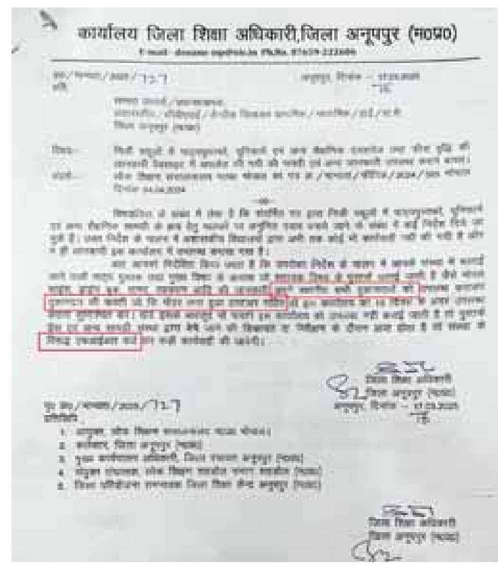

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी,जिला अनूपपुर (म०प्र०)

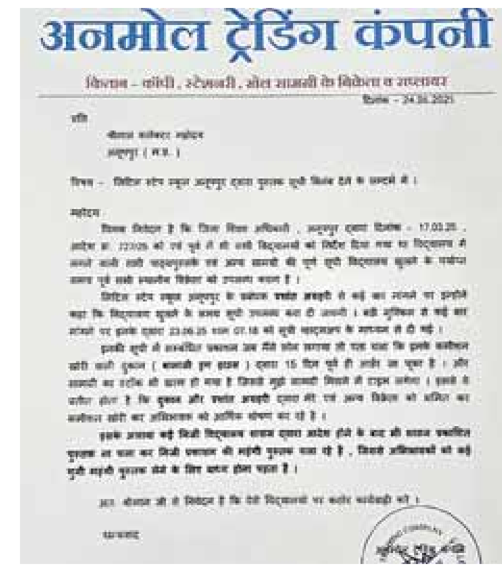

अनमोल ट्रेडिंग कंपनी

जिले के स्कूलों में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो चुकी है। सत्र की शुरुआत में ही फीस के साथ कॉपी-किताबों व स्टेशनरी की मुंहमांगी कीमतें अभिभावकों की जेब ढीली कर रही है।

निजी विद्यालय की सूची में इन प्रकाशन की किताबें

शासन के आदेश के बावजूद कुछ अन्य निजी स्कूल भी निजी प्रकाशन की महंगी किताबें चला रहे हैं अशोका, होलीफेथ, नवबोध, ब्लूप्रिंट, आइकोनिक, अरिहंत साइबर टेक अक्राडिक स्काई, मोदक और टेन पॉइंटर आदि। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि एक निजी स्कूल द्वारा जारी एक सूची में बिल्डिंग ब्लॉक बुक सेमेस्टर 1 और 2 के लिए कक्षा 1 के एक किताब का मूल्य 1199 रुपये कक्षा 2 के एक किताब का मूल्य 1299 रुपये, कक्षा 3 के एक किताब का मूल्य 1399 रुपये कक्षा 4 की किताब का मूल्य 1499 रुपये है ये सभी किताबें स्काई पब्लिकेशन की हैं।

क्या है नियम

शिक्षा निदेशालय के गाइडलाइन्स के तहत निजी स्कूलों को नए सत्र में प्रयोग में आने वाले किताबों व अन्य स्टडी मटेरियल की कक्षावार सूची नियमानुसार स्कूल की वेबसाइट और विशिष्ट स्थानों पर पहले से ही प्रदर्शित करनी होती है ताकि अभिभावकों को इसके बारे में जागरूक किया जा सके। इसके अलावा स्कूल को अपनी वेबसाइट पर स्कूल के नजदीक के कम से कम 5 दुकानों का पता और टेलीफोन नंबर भी प्रदर्शित करना होता है, जहां से पेरेंट्स किताबें और स्कूल ड्रेस खरीद सकें। साथ ही शिक्षा निदेशालय की इस गाइडलाइन्स में ये भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी प्राइवेट स्कूल कम से कम 3 साल तक स्कूल ड्रेस के रंग, डिजाइन व अन्य स्पेसिफिकेशन को नहीं बदल सकता है।

जिला शिक्षा अधिकारी का यह था आदेश

इस वर्ष 17 मार्च 2025 को जिला शिक्षा अधिकारी अनूपपुर द्वारा जारी एक आदेश में निजी स्कूलों में पाठ्यपुस्तकों, यूनिफार्म एवं अन्य शैक्षणिक दस्तावेज और फीस वृद्धि की जानकारी वेबसाइट में अपलोड कर पावती , उसके प्रमाण शिक्षा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाय। सामग्री के क्रय हेतु पालकों पर अनुचित दबाव न बनाया जाए इस निर्देश के पालन में अशासकीय विद्यालयों को हिदायत भी दी गयी थी साथ निजी विद्यालयों को यह भी निर्देश दिया गया था कि उनके संस्था में चलाई जाने वाली पाठ्य पुस्तक तथा मुख्य विषय के अलावा जो सहायक विषय के पुस्तकें चलाई जाती है जैसे मोरल साइंस ड्राइंग बुक ग्रामर व्याकरण आदि की जानकारी अपने स्थानीय सभी दुकानदारों को उपलब्ध कराकर दुकानदार की पावती जो मोहर लगा हुआ हस्ताक्षर सहित हो कार्यालय को 15 दिवस के अंदर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। यदि विद्यालय ऐसा नहीं करता है और पुस्तकें ड्रेस एवं अन्य सामग्री संस्था द्वारा बेचे जाने की शिकायत या निरीक्षण के दौरान प्राप्त होती है तो संस्था के विरुद्ध एफआईआर कराई जाएगी एवं कठोर कार्रवाई की जायेगी। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी सन 2014 में इसी तरह के आदेश भी दिए गए थे इस वर्ष फिर विद्यालय संचालको के मनमानी के विरुद्ध शिक्षा अधिकारी को आदेश देना पड़ा है।

जिले में निजी विद्यालयों की संख्या

जिले में कुल 4 ब्लॉक हैं जिनमें प्राइमरी और उच्चतर माध्यमिक निजी विद्यालयों की संख्या दो सौ है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय प्राप्त दस्तावेजों में इन निजी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या लगभग 3 हजार के आसपास है। अनूपपुर, जैतहरी, कोतमा और पुष्पराजगढ़ में प्राइमरी के 18, अपर प्राइमरी तक 111 और सेकेंडरी तक 30 व उच्चतर माध्यमिक स्तर लगभग 41 विद्यालय संचालित हैं। जिनमें से सर्वाधिक निजी विद्यालयों की संख्या जैतहरी ब्लॉक में है।

जांच दल की निजी विद्यालयों से मिलीभगत

निजी विद्यालयों की मनमानी पर अंकुश लगाने कलेक्टर ने जांच टीम का गठन कर विद्यालयों मे भेजा था, लेकिन जांच टीम के ही सदस्यों ने निजी विद्यालयों को विद्यालय के पहुंचने के पूर्व जांच की जानकारी लीक कर दी जिससे विद्यालयों के संचालकों ने बच्चों से निजी प्रकाशन की किताबें लेकर एक कमरे मे छिपा दिया गया और जांच के दौरान के सिर्फ एनसीईआरटी की ही किताबें पाई गई जिससे जांच का कोरम पूरा कर जांच टीम निजी विद्यालय को आज इज वेल कहकर वापस चली गई। जिसके दो दिन बाद फिर बच्चों को निजी प्रकाशन की किताबें वापस दे दी गई।

चुनिंदा दुकानदारों को लाभ पहुंचाने का प्रयास

जिला मुख्यालय अनूपपुर के तिपान नदी के पास संचालित लिटिल स्टेप स्कूल प्रबंधन पर पुस्तक वितरण में अनियमितता के आरोप लगे हैं। शिकायतकर्ता ने बताया कि स्कूल ने जानबूझकर किताबों की सूची देर से जारी की, जबकि एक दुकान को पहले ही सूची देकर स्टॉक मंगवा लिया गया। इससे अन्य विक्रेताओं और अभिभावकों को परेशानी हो रही है, साथ ही बताया गया कि अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। विद्यालय के संचालक ने कुछ चुनिंदा दुकानदारों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। जिससे विद्यालय की साख गिर रही है। प्रबंधन एनसीईआरटी की किताबों के साथ दूसरे अन्य पब्लिकेशन की महंगी किताबें चला रहा है जिससे छात्र-छात्राओं के माता पिता महंगे पुस्तक खरीदने पर मजबूर हैं, जबकि प्रशासन ने एनसीईआरटी की सस्ती किताबें चलाने का आदेश दिया था। इस तरह का मनमाना पूर्ण रवैया से अभिभावक परेशान हो रहे हैं। इस मामले पर कलेक्टर से कार्यवाही की मांग की है।

अनमोल ट्रेडिंग के संचालक ने लगाए आरोप

अनमोल ट्रेडिंग कंपनी के संचालक अभिषेक अग्रवाल द्वारा कलेक्टर को लिखे गए एक पत्र में लिखा है की लिटिल स्टेप स्कूल के प्रबंधक से कई बार सूची माँगने पर उन्होंने कहा की विद्यालय खुलने के समय सूची उपलब्ध कर दी जायेगी। कई बार माँगने के बावजूद प्रबंधक ने 23 जून को सूची वाट्सएप के माध्यम से दी। सूची में दर्शाये प्रकाशन से पुस्तकों की मांग करने पर प्रकाशक द्वारा बताया गया कि पुस्तकों का स्टॉक ख़त्म हो गया है जबकि बालाजी ड्रग हॉउस द्वारा पुस्तके मंगाई गयी जिसका आर्डर 15 दिनों पूर्व ही जा चुका था लिटिल स्टेप स्कूल प्रबंधन ने अनमोल ट्रेडिंग संचालक और अन्य पुस्तक विक्रेताओं को भ्रमित किया।

इनका कहना है

निजी विद्यालयों द्वारा यदि नियम विरूद्ध विद्यार्थियों को निजी प्रकाशनों की पुस्तकें पढाई जाती है तो जल्द ही स्कूलों को औचक निरीक्षण कर उन संस्थाओं पर कार्यवाही की जायेगी।

हर्षल पंचोली
कलेक्टर, अनूपपुर

प्रणाम नर्मदा युवा संघ ने आयोजित किया सर्पदंश जागरूकता एवं बचाव कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

प्रणाम नर्मदा युवा संघ के द्वारा विश्व सर्प दिवस के अवसर पर सर्पदंश जागरूकता एवं बचाव कार्यक्रम का आयोजन वन विद्यालय अमरकंटक में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वन रक्षकों को सर्पदंश जैसी गंभीर आपदा के प्रति सतर्क करना, बचाव के उपायों की जानकारी देना तथा समाज में व्याप्त भ्रांतियों और अंधविश्वासों को दूर करना था ताकि वन परिक्षेत्र में सेवा दे रहे वनरक्षक वन्यजीवों तथा वन में निवासरत लोगों की रक्षा कर सकें ।वन क्षेत्र में सर्पदंश से मृत्यु के मामले समान्य रूप से देखे जाते हैं। वर्ष 2016 से प्रणाम नर्मदा युवा संघ द्वारा सांपों को एवं सांपों से लोगों को बचाने के लिए यह कार्यक्रम सतत रूप से आयोजित किया जा रहा है।वन विद्यालय में विश्व सर्प दिवस के अवसर पर प्रणाम नर्मदा युवा संघ एवं वन विभाग अनूपपुर के संयुक्त तत्वावधान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षार्थियों के लिए प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया ।कार्यक्रम में सांपों की पहचान, सर्पदंश के पश्चात किए जाने वाले प्राथमिक उपचार, विषैले और विषहीन सर्पों में अंतर की पहचान, तथा सांपों से घर को सुरक्षित रखने के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वन विद्यालय के सहायक अनुदेशक महेंद्र कुमार यादव, परिक्षेत्र अमरकंटक के परिक्षेत्र अधिकारी वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, संस्था के अध्यक्ष डॉ विकास चंदेल, संस्था के सचिव एवं मुख्य वक्ता हरीश कुमार धुर्वे, संस्था के सदस्य माखन सिंह उपस्थित रहे ।

15 से 30 जुलाई तक चलेगा विशेष अभियान

विश्व मानव दुर्व्यापार विरोधी पखवाड़े का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

रेल्वे अनूपपुर, RPF] एक्सिस टू जस्टिस फार चिल्ड्रेन होलिस्टिक एक्शन रिसर्च एंड डेवलपमेंट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में RPF थाना रेल्वे स्टेशन अनूपपुर में विश्व मानव दुर्व्यापार विरोधी पखवाड़े का हुआ शुभारंभ हुआ। यह पखवाडा 15 से 30 जुलाई तक विशेष अभियान चलया जाएगा। कार्यक्रम में श्रम विभाग अनुपपुर, बालकल्याण समिति अनूपपुर, RPF अनुपपुर, स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता रेल्वे कुली एवं वेंडर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विषय प्रवेश कराते हुए होलिस्टिक एक्शन रिसर्च डेवलपमेंट संस्था के डायरेक्टर शुशील शर्मा ने कहा कि आगामी 30 जुलाई को विश्व मानव दुर्व्यापार दिवस है। जिसके उपलक्ष्य में पूरे देश भर में इस महीने विविध कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इसी तारतम्य में आज हम सब यहाँ संयुक्त रूप से मानव तस्करी रेल जागरूकता अभियान शुरू कर रहे हैं। इस दौरान अगर बाल तस्करी एवं मानव तस्करी के मामले दिखते हैं तो आप संस्था का सहयोग ले सकते हैं साथ ही चाईल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं आपात कालीन नम्बर 112 का उपयोग कर सकते हैं। जिला श्रम अधिकारी अनूपपुर अनुव्रत द्विवेदी ने श्रम विभाग के योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए बाल तस्करी के बारे में बताया। बाल कल्याण समिति अनूपपुर के अध्यक्ष मोहन पटेल ने बाल संरक्षण कानून एवं प्रावधनों पर प्रकाश डालते हुए रेस्क्यू बच्चों को बाल कल्याण समिति में प्रस्तुत करने के लिए कहा। मुख्य स्टेशन प्रबंधक एम पी शर्मा ने अपने सेवा काल के मानव तस्करी के अनुभवों शेयर करते हुएसभी को साथ मिलकर कार्य करने में जोर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आर पी एफ इंस्पेक्टर अनूपपुर मधुबाला पात्र जी ने कहा कि यह अभियान बहुत जरूरी है, हम सभी को बच्चों के हित में सघन जागरूकता चला कर मानव एवं बाल तस्करी पर अंकुश लगाना है। हार्ड संस्था अनूपपुर के समन्वयक कपिल शुक्ला ने विभिन्न सरकारी आकड़ो का विश्लेषण करते हुए मुद्दे के गंभीरता पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी से इस अभियान को सफल बनाने का अपील की। आभार प्रदर्शन सामाजिक कार्यकर्ता भूपेन्द्र त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में कमलेश सिंह चौहान सिटी कोतवाली अनूपपुर, राजेन्द्र मिश्रा, राजकुमार, जसवीर सिंह, ए के दास, के एल साहू , आर के केवट की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में उत्तरा सिंह राठौर, राजन प्रसाद नामदेव का विशेष सहयोग रहा।

अपर नर्मदा सिंचाई परियोजना को निरस्त करने प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की मुलाकात

गलत सर्वे और रिपोर्ट के आधार पर परियोजना की रूपरेखा तैयार करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

पिछले कुछ वर्षों से प्रशासन की गलत रिपोर्टिंग और रणनीति के कारण अपर नर्मदा परियोजना शोभापुर अनूपपुर डिंडोरी का निर्माण कार्य इसलिए प्रारंभ नहीं हो पा रहा है क्योंकि इस परियोजना को लेकर क्षेत्र के किसान और रहवासी निरंतर इसका विरोध कर रहे हैं क्योंकि उनके भविष्य पर संकट के बादल मंडरा रहा है। इस परियोजना के प्रारंभ होने से क्षेत्र का विकास तो नहीं लेकिन विनाश होना सुनिश्चित है जिसकी चिंता की लकीरें हर किसी के माथे पर देखी जा सकती हैं। अपर नर्मदा परियोजना को निरस्त करने की मांग को लेकर भाजपा अनूपपुर जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के नेतृत्व में राज्यपाल से प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की जिसमें भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम राजेश सिंह सराठीया विजय सिंह पट्टा भागरथ सिंह स्वामी सोनवानी तथा अन्य लोगों ने मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल से मुलाकात कर अपर नर्मदा परियोजना को निरस्त करने की मांग की जिससे कि जल जंगल जमीन एवं आदिवासियों का संरक्षण सुनिश्चित हो सके और पलायन की स्थिति निर्मित ना हो।

50 ग्राम पंचायतें होंगी प्रभावित

पिछले 25 से 30 वर्ष पहले अपर नर्मदा परियोजना शोभापुर अनूपपुर डिंडोरी को प्रस्तावित किया गया जिसके बाद से इस परियोजना का निरंतर विरोध हो रहा है और क्षेत्र के लोग भय के वातावरण में जीवन जीने को मजबूर हैं जब चुनाव आता है इस परियोजना को प्रारंभ करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है जिससे क्षेत्र वासियों को संघर्ष का सामना करना पड़ रहा है। इस परियोजना के कारण लगभग 50 ग्राम पंचायत प्रभावित हो रही हैं। परियोजना का दुष्परिणाम जल जंगल जमीन और आदिवासियों के पलायन के रूप में देखा जा रहा है जो इस क्षेत्र के लिए हितकर नहीं है।

गलत सर्वे और रिपोर्ट के आधार पर तैयार की गई परियोजना की रूपरेखा

भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के नेतृत्व में मिले प्रतिनिधि मंडल ने महामहिम राज्यपाल से कहा कि गलत सर्वे और रिपोर्ट तथा दबाव में ग्राम पंचायत के प्रस्ताव फर्जी तरीके से तैयार कर कर प्रस्तुत की गई और परियोजना को प्रस्तावित करने का कार्य किया गया जबकि हमारे क्षेत्र में इस परियोजना की कोई आवश्यकता ही नहीं है। पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में खरीफ एवं धान की दो फसल का उत्पादन 80 से 90 हजार टन प्रतिवर्ष किया जा रहा है जिसकी खरीदी भी शासन के द्वारा की जाती है फिर भी क्षेत्र को असंचित घोषित करने का कार्य फर्जी तरीके से प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा किया जाता है ऐसी परियोजना के कारण कृषि आधारित हमारे जनजातीय समाज के परिवारों को विस्थापन की स्थिति से गुजरना पड़ता है ऐसे पहले भी हो चुका है।

परियोजना को निरस्त कर दिया जाए संरक्षण

महामहिम राज्यपाल को दिए गए पत्र के माध्यम से बताया गया कि अनूपपुर जिला पुष्पराजगढ़ भारतीय संविधान के प्रदत्त भाग 10 में पांचवी अनुसूची में आता है जो अनुसूचित क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसका संरक्षण महामहिम के अधीन है इसके साथ ही पेसा कानून 2022 यहां पर लागू है जिसमें बिना ग्राम सभा के अनुमति के कोई भी ऐसी परियोजना को लागू करने की अनुमति नहीं है जब तक की ग्राम सभा की सहमति प्रदान न हो। प्रतिनिधि मंडल ने महामहिम राज्यपाल मध्य प्रदेश से मुलाकात कर अपर नर्मदा परियोजना को निरस्त कर आदिवासी आंचल को संरक्षण प्रदान करने की मांग की गई है जिससे कि यहां पर विस्थापन तथा अन्य समस्याओं का सामना क्षेत्र के लोगों को ना करना पड़े और उनका जीवन यापन सुचारू रूप से चला रहे।